कोचीन सीमाशुल्क समाचार पत्रिका

Cochin Customs News Letter

श्री पुल्लेला नागेश्वर राव,
मुख्य-आयुक्त

श्री सुमित कुमार,
आयुक्त

सम्पादक मण्डल
सुमित कुमार, भा. रा. से. - सीमाशुल्क आयुक्त
बी. जी. कृष्णन, भा. रा. से. - संयुक्त सीमाशुल्क आयुक्त
लखी नारायण दास , भा. रा. से. - सहायक सीमाशुल्क आयुक्त
मनोज कुमार - सीमाशुल्क अधीक्षक (निवारक)
किरण अय्यर वी. - कनिष्ठ हिन्दी अनुवादक

अंक-10 मार्च, 2019

संपादकीय

सीमाशुल्क गृह, कोचीन के डिजिटल मासिक पत्रिका का दसवाँ अंक आपके समक्ष प्रस्तुत है। इस पत्रिका का उतरोत्तर सफल प्रकाशन कार्यालय में राजभाषा हिन्दी के प्रति अधिकारियों एवं कर्मचारियों के सहयोग तथा मार्गदर्शन को दर्शाता है| वेब साईट, फेस बुक, ट्विटर तथा विभिन्न व्हाट्स एप ग्रूपों जैसे सूचना के नवीनतम माध्यमों से हजारों लोगों को यह पत्रिका उपलब्ध हो रही है और सराही गई हैं| पत्रिका के निर्माण में जब सभी की सक्रिय सहभागिता मिले तब इसका उद्देश्य और भी सार्थक हो जाता है| यह पत्रिका अधिकारियों/कर्मचारियों एवं उनके परिवार के सदस्यों की सृजनशीलता को उभारकर उन्हें एक मंच प्रदान करने का माध्यम भी बनी है।

कार्यालय में मनाए जा रहे विभिन्न उत्सव सभी अधिकारियों/कर्मचारियों को उनकी व्यस्तता के बीच एक अलग सी स्फूर्ति तथा अपनेपन का एहसास कराते हैं |

हम सभी का यह दायित्व है कि हमारी इस पत्रिका को विकास के सोपानों पर अग्रणी बनाने में सहयोग करें| यह पत्रिका कार्यालय से संबन्धित सूचनाओं से परिपूर्ण है और इस पत्रिका रूपी सरिता का निरंतर प्रवाह आप सभी के सहयोग से ही संभव हो सकता है| आपकी सृजनशीलता तथा आपका कौशल इस पत्रिका के और अधिक विकास और विस्तार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। पाठकों से विनम्र अनुरोध है की यदि पत्रिका में किसी भी प्रकार के सुधार आवश्यक है तो इस संबंध में आप सभी के सकारात्मक सुझावों का स्वागत है।

आपका,
सुमित कुमार, भा. रा. से.
आयुक्त

होली है!

कार्यालय के प्रांगण में होली का पर्व बड़ी ही धूम धाम के साथ मनाया गया| डॉ राजी एन एस, उप आयुक्त तथा श्री महेंदिरा वर्मा आर ए, उप आयुक्त ने दीप प्रज्वलित कर सभी को रंगों के इस उत्सव हीली की ढ़ेरों शुभकामनाएँ दी| मिष्ठान्न का वितरण किया गया और अधिकारियों/ कर्मचारियों ने भी रंगों से खेलकर वातावरण में एक नए हर्ष और उल्लास का संचार किया| इस परिपेक्ष्य में सीमाशुल्क क्वार्टर में भी प्रतिवर्षानुसार होली का यह पर्व योजनाबद्ध रीति से मानाया गया| नृत्य संगीत की राग-रंगीनियों व रंगों के साथ इस पर्व में सारा आईलैंड भी झूम उठा|

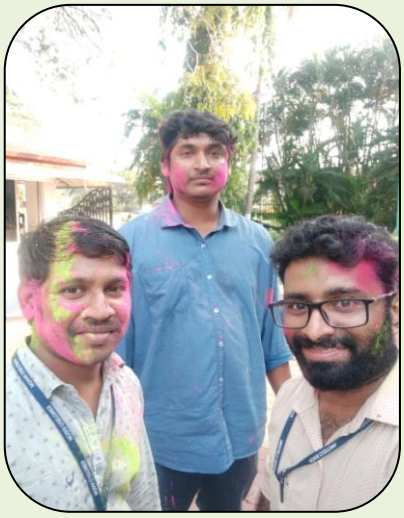

हिन्दी कार्यशाला

कार्यालय में कार्यरत कनिष्ठ अनुवादक श्री किरण अय्यर वी को दिनांक 08.03.2019 को क्षेत्रीय एगमार्क प्रयोगशाला में, तथा दिनांक 20.03.2019 को सीमाशुल्क आयुक्तालय (निवारक) में कार्यशाला के संकाय सदस्य के रूप में आमंत्रित किया गया | कार्यशालाओं की कुछ झलकियाँ प्रस्तुत है :

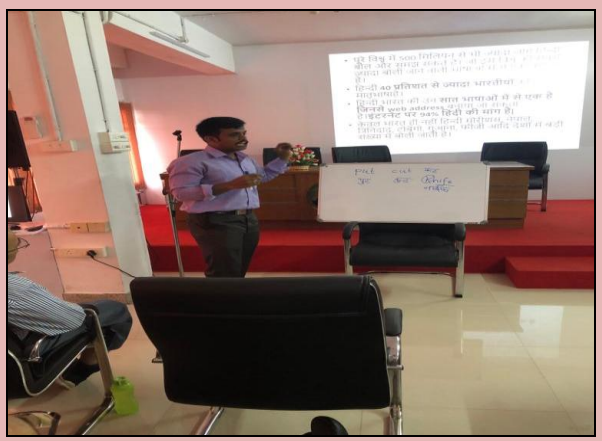

पेड़ लगाओ पर्यावरण बचाओ

स्वच्छ भारत अभियान के तहत कार्यालय को शुचिपूर्ण व हरा भरा रखने की दृष्टि से कार्यालय में वृक्षारोपण का कारी किया गया, जिसमें उप आयुक्त सहित सभी अधिकारियों/कर्मचारियों ने अपनी सहभागिता दर्ज की |

राष्ट्रीय हिन्दी साहित्योत्सव

श्री शंकराचार्य संस्कृत माहाविद्यालय में दिनांक 11,12,13 मार्च 2019 को तीन दिवसीय राष्ट्रीय हिन्दी साहित्योत्सव मनाया गया| इस साहित्योत्सव में देश के जाने-माने लेखकों व कवियों का आगमन हुआ|

साहित्योत्सव की झलकियाँ :-

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठक

दिनांक 29.03.2019 को आयुक्त महोदय की अध्यक्षता राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठक बोर्ड कक्ष में अपराह्न 2:30 बजे आयोजित की गई|

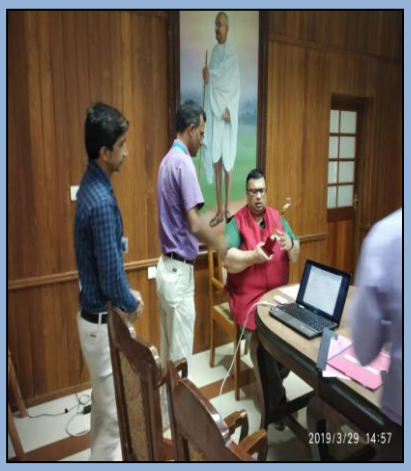

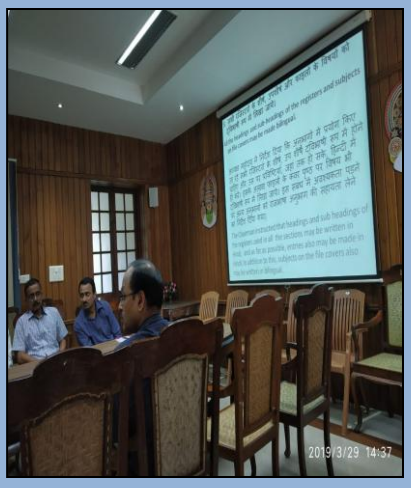

नराकास पुरस्कार वितरण

दिनांक 15.03.2019 को अपराह्न 03.00 बजे आयकर विभाग, केंद्रीय राजस्व भवन में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सदस्यों के लिए एक पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया| इस समारोह में सीमाशुल्क गृह कोचीन को नराकास द्वारा आयोजित हिन्दी प्रतियोगिताओं में श्रेष्ठ प्रदर्शन कर अंक तालिका में द्वितीय स्थान प्राप्त करने पर पारितोषिक से सम्मानित किया गया|

<u>नराकास की बैठक</u>

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 67 वीं बैठक दिनांक 26.03.2019 को आयोजित की गई जिसमें कार्यालय का प्रतिनिधित्व संयुक्त निदेशक महोदय ने कार्यालय में कार्यरत कनिष्ठ हिन्दी अनुवादक के साथ किया|

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस (8 मार्च)

आयुक्त महोदय ने पुट्टंतोड सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय को नवीनीकृत प्रसाधन कक्ष का उपहार दिया| साथ ही इस कार्यालय को एक नैपकिन निर्माण करने की मशीन व उपयोग किए गए नैपकिनों को नष्ट करने की मशीन प्रदान की| आयुक्त महोदय ने शाला के 10 बहुत अधिक ज़रूरतमंद बच्चों को पाठ्य सामाग्री वितरित की|

मर्चेन्ट नेवी क्लब में इस अवसर पर एक औपचारिक कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें अपनी असीम व्यस्तता के बाद भी पधारकर मुख्य आयुक्त, श्री पुल्लेला नागेश्वर राव जी ने कार्यक्रम का उदघाटन किया| आयुक्त महोदय ने अध्यक्षीय भाषण दिया| उप आयुक्त डॉ राजी ने अपने अनुभवों का वर्णन करते हुए सभी नारियों को पुरूषों से कंधे से कंधा मिलाकर चलने का आह्वान किया|

इस अवसर पर एक सेमिनार का भी आयोजन किया गया जिसका विषय था “पीरियड्स - द बीगिनिंग ऑफ कोन्वेर्ज़ेशन” अर्थात “माहवारी- संवाद का प्रारम्भ”| ‘रेड साइकल’ नामक एन जी ओ के सह संस्थापक श्री अर्जुन उन्नीकृष्णन तथा श्री अनूप इस विषय पर वक्ता के रूप में आमंत्रित थे|

इस शुभ अवसर पर केंद्रीय राजस्व की अखिल भारतीय प्रतियोगिताओं में समूह नृत्य प्रतियोगिता में विजयी कार्यालय की टीम के सम्मानित किया गया| इस सीमाशुल्क गृह के आनुषंगिक महिला कर्मचारियों को भी सम्मानित किया गया|

कार्यालय में नए महिला कक्ष का उदघाटन वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में श्रीमती जी सुशीला,एम टी एस के हाथों से किया गया|

2019
International Women's Day Festival
CUSTOM HOUSE KOCHI

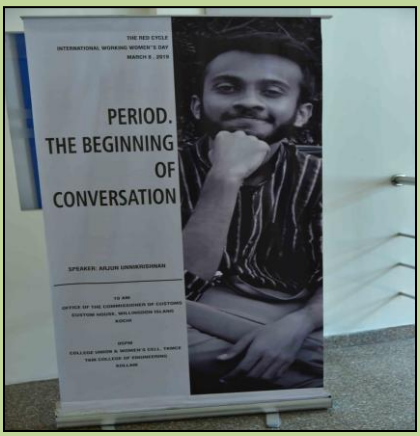

PERIOD.
THE BEGINNING
OF
CONVERSATION

International Women's Day Festival

CUSTOM HOUSE

CUSTOM HOUSE

International Women's Day Festival
CUSTOM HOUSE
COCHIN

नारी

किरण अय्यर वी
कनिष्ठ हिन्दी अनुवादक

जब से हुआ उद्भव तुम्हारा निखरा देवी सा उज्जवल रूप
मानो जैसे अँधियारे के बीच निखर आया वो रवि भूप|

देवी-देवी कर मन तर हो गया,हुआ एक शांति रस का पान
और इस सुरभित रस के प्याले से,हुए पवित्र मेरे कान|

तिमिर का नाश हुआ ज्योति को देख
कलियाँ खिल गई सहस्त्रों मार्ग में अनेक|

हुई कवि प्रतिभा प्रगाढ़, जैसे ऊसर में आ गई हो बाढ़
तुम्हारी छवि का वो तीक्ष्ण बाण, ले ही उड़ा जैसे सुकवि के प्राण।

नाचने लगी कला चहुँ ओर जैसे वृष्टि में नर्तन करता एक मोर
तुम्हारी प्रतिमा बनाए क्या प्रतिमाकार, विविध उपामाएँ देख वे बैठे है थक हार

ज्ञानियों ने नज़र घुमाई चहू ओर और देखना चाहा प्रकृति की लीला का विस्तार;
तब जाकर उन्होंने पाया कि पुरुष तो है उन चरणों का ही उपहार।

जलधि सी अगाध अगम परमानंद से पूरित, अनंत पुष्पों के सुमधुर सुरभि से हो सुरभित|
मन की असंख्य भावनाओं को मथकर बनाया गया है वह अनुपम नवनीत |

कहीं हो कामधेनु तो कहीं हो रणचंडी,
तुम्हारे सम्मुख कैसे टिक सकता है कोई पाखंडी |

तुम्हारी छवि से पाया निर्मलता का मधुर भान,
तुमसे ही तो सजा पाया है नर ने अपना वर्तमान |

आरती उतारने आए तुम्हारी सब देव गण,
दिव्य तेज से पूरित हुआ उन सभी का मन|

बह निकली ममत्व की वह उज्ज्वल धार,
मानो सुरसरि को धरती पर लाया गया हो उतार।

ऋषियों के तप का मोल तुम्हारी एक मधुर मुस्कान।
नयन के कमान से तो खाली न जाए कोई भी बाण

तुम्हारे अधरों का रसास्वादन वासना-तट पर पाया पिया ने अधीर;
अरी ओ माँ, हमने पिया है तुम्हारे स्तनों का मधुर क्षीर।

"हिन्दी भाषा देश की भाषा,
इसकी बढ़ाओ गरिमा, करो इसका सम्मान
बस यही है सबसे आशा|"

कृते: श्रीमती नीलिमा के.
(श्री विनय कृष्णदासी, वरिष्ठ कर सहायक की पत्नी)